
Shri Ramanama Stuti

श्रीरामनामस्तुतिः

Document Information

Text title : Shri Ramanama Stuti

File name : rAmanAmastutiH.itx

Category : raama

Location : doc_raama

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Description/comments : From stotrArNavaH

Latest update : September 12, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 12, 2020

sanskritdocuments.org

श्रीरामनामस्तुतिः



राशब्दोच्चारणादेव मुखान्निर्यान्ति पातकाः ।

पुनः प्रवेशनभियामशब्दस्तु कवाटवत् ॥ १ ॥

रामेति वर्णद्वयमादरेण

सदा स्मरन् मुक्तिमुपैति जन्तुः ।

कलौ युगे कल्मषमानसाना-

मन्यत्र धर्मे खलु नाधिकारः ॥ २ ॥

जानाति राम तव नामरुचिं महेशो

जानाति गौतमसती चरणप्रभावम् ।

जानाति दोर्बलपराक्रममीशचापो

जानात्यमोघपटुबाणगतिं पयोधिः ॥ ३ ॥

जानाति राम तव चित्तगतिं हनूमान्

जानाति राम तव सख्यगतिं कपीशः ।

जानाति राम तव युद्धगतिं दशास्यो

जानाति राम तव मोक्षगतिं गजेन्द्रः (खगेन्द्रः) ॥ ४ ॥

पटुतरजलधीरध्वानमादाय चापं


पवनजवनमेकं बाणमाकृष्य तूणात् ।

अभयवचनदायी सानुजः सर्वतो मे


रणहतदनुजेन्द्रो रामचन्द्रः सहायः ॥ ५ ॥

(खगेन्द्रः जटायुरित्यर्थः)

इति श्रीरामनामस्तुतिः सम्पूर्णा ।

——
Shri Ramanama Stuti

pdf was typeset on September 12, 2020

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

